Q. Critically examine the Liquidity Preference theory of Interest?

Ans→ प्रो० कैन्स ने अपनी सुप्रसिद्ध पुस्तक "The General Theory of Employment, Interest and Money में ब्याज के तरलता सिद्धान्त (Liquidity Preference theory of Interest) का प्रतिपादन किया है। कैन्स के अनुसार ब्याज विशुद्ध रूप से एक मौद्रिक घटना है। क्योंकि ब्याज की दर का निर्धारण मुद्रा की मांग एवं पूर्ति के द्वारा होता है। मुद्रा की मांग का अर्थ है कि लोग मुद्रा को नकद रूप में अर्थात् तरल रूप में रखने के लिए मांगते हैं तथा मुद्रा की पूर्ति का अर्थ है किसी समय विशेष पर उपलब्ध मुद्रा की मात्रा। जहाँ पर मुद्रा की मांग तथा पूर्ति एक दूसरे के बराबर होती है वहीं पर ब्याज दर का निर्धारण होता है। दिये हुए समय में मुद्रा की पूर्ति प्रायः निश्चित रहती है अतः ब्याज के निर्धारण में मुद्रा की मांग अधिक सक्रिय रहती है। मुद्रा की मांग इसलिए की जाती है कि क्योंकि यह एक पूर्णतः तरल सम्पत्ति है। ब्याज इसी तरलता के परित्याग का पुरस्कार है। कैन्स के शब्दों में → "Interest is the reward for parting with liquidity for specified time."

कैन्स के अनुसार ब्याज दर का निर्धारण मुद्रा की मांग एवं पूर्ति द्वारा होता है अतः हम अब मुद्रा की मांग एवं पूर्ति का वर्णन करेंगे:-

- Demand for Money Liquidity Preference.-

मुद्रा की मांग का अर्थ मुद्रा को तरल रूप में रखने से लगाया जाता है लोग कई कारणों से मुद्रा को नकद रूप में रखना

Scanned by CamScanner

पसन्द करती है। उनकी इस इच्छा को Liquidity Preference कहते हैं। केन्स के अनुसार लोग मुद्रा को तीन उद्देश्यों के लिए मुद्रा को तरल रूप में रखते हैं।

(i) लेनदेन की प्रवृति :→ (Transaction Motive) →
प्रत्येक व्यक्ति अथवा व्यवसायी अपनी आय का एक अंश दिन-प्रतिदिन के कार्यों एवं अनेक प्रकार के भुगतानों के लिए अपने पास रखता है जिसे लेन-देन की प्रवृति कहते हैं। इस उद्देश्य के लिए मुद्रा की मांग समान्यतः आय स्तर पर निर्भर करती है।

(ii) दूरदर्शिता का या सतर्कता का उद्देश्य (Precausnary Motive) :→ लोग नगद मुद्रा की मांग संकटकालीन दिनों के लिए भी करते हैं दूसरे शब्दों में बेरोजगारी, बिमारी, दुर्घटनाओं एवं अन्य आकस्मिक एवं अनिश्चित घटनाओं का सामना करने के लिए लोग मुद्रा की कुछ मात्रा को नगद के रूप में रखते हैं जिसे सतर्कता या दूरदर्शिता उद्देश्य कहते हैं। इस उद्देश्य के लिए मुद्रा की मात्रा व्यक्तियों के स्वभाव तथा उनके रहने की दशाओं पर निर्भर करेगी लेकिन इस उद्देश्य के लिए मुद्रा की नगद मात्रा मुख्यतः लोगों की आय स्तर पर ही निर्भर करती है।

(iii). Spaculative Motive (सट्टेबाजी की प्रवृति) :→
मुद्रा की मांग के पीछे जो सबसे महत्वपूर्ण शक्ति जो काम करती है वह सट्टेबाजी की प्रवृति है। बहुत से सट्टेबाज भविष्य में बाजार

Scanned by CamScanner

को दरों में होनेवाले परिवर्तनों से लाभ उठाने के लिए भी मुद्रा अपने पास रखना चाहते हैं। सट्टे के उद्देश्य के लिए नकदी की मांग ब्याज दर पर निर्भर करती है। ब्याज की दर तथा सट्टा के उद्देश्य के लिए नकदी की मांग में विपरीत सम्बन्ध होता है।

मुद्रा की मांग (L) = L_1 (लेनदेन या सतर्कता उद्देश्य) + L_2 (सट्टे बाजी के उद्देश्य)

∴ $L = L_1 + L_2$.

मुद्रा की पूर्ति :→ इसके अन्तर्गत साख पत्र, सिक्का आदि सम्मिलित किया जाता है। चूंकि मुद्रा की पूर्ति पर सरकार का नियंत्रण रहता है इसलिए किसी समय विशेष में मुद्रा की पूर्ति लगभग स्थिर रहती है जिसे चित्र से दिखाया गया है।